PAGE NO.
DATE :

Answer - no - 7

थ्री फेज पावर कन्वर्टर होता।

तीन कलीय शक्ति प्रवर्तक, तीन एक कलीय शक्ति प्रवर्तकों का संयुक्त रूप होता है। यह प्रवर्तक भी अर्द्ध - ~~तरंगी~~ तरंग प्रारूपी भी हो सकता है। पूर्ण तरंग प्रारूपी भी जैसे दर्शाया गया है। इसका सेतु संयोजन ही सामान्य उपयोग में है। तीन कलीय शक्ति प्रवर्तक भी (i) अनियन्त्रित दिष्टकारी प्रारूपी (ii) अर्द्ध - नियन्त्रित दिष्टकारी प्रारूपी तथा (iii) पूर्ण नियन्त्रित दिष्टकारी प्रारूपी होती है। तीन शक्ति डायोड तथा तीन नियन्त्रित SCR तथा 6 नियन्त्रित SCR उपयोग में आये जाते है।

सेतु शक्ति प्रवर्तक भी तीन कलीय एक कलीय पूर्ण तरंग शक्ति प्रवर्तक संयुक्त रूप है। यह भी SCRs प्रयाय की बौरवता से तुल्यीकृत गेट ट्रिगरिंग स्पन्दों टर्न - आन किये जाते हैं। इनमें लाइन कम्यूटेशन होता है। काल पूर्ण एक तरंग प्रवर्तक होता है।